



## भारत के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में फनिटेक अग्रणी

### प्रलिमिंस के लिये:

फनिटेक उद्योग, इंटरनेट, [क्रपिटोकरेंसी](#), [सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम \(MSME\)](#), जन धन योजना, [प्रत्यक्ष लाभ अंतरण](#), इंडियास्टैक, यूनफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (CBDC), [भारतीय रजिस्ट्रार बैंक](#), डिजिटल रुपी, डिजिटल ऋण

### मेन्स के लिये:

भारतीय संदर्भ में फनिटेक का महत्त्व, सरकारी पहलों द्वारा संचालित फनिटेक का विकास, फनिटेक उद्योग से संबंधित मुद्दे

[स्रोत: द हट्टि](#)

## चर्चा में क्यों?

[फनिटेक कंपनियाँ](#), [स्टार्ट-अप](#) इकोसिस्टम में उद्यमियों के लिये एक आकर्षक विकल्प बनी हुई हैं।

- **Tracxn** (एक कंपनी जो नजीक कंपनियों के लिये मार्केट इंटेलाजेंस डेटा प्रदान करती है) के आँकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में स्टार्ट-अप्स में नविश किये गए सभी [इकवट्टी](#) नविश में फनिटेक का हिस्सा वर्तमान में 15% से अधिक है।

## फनिटेक क्या है?

- **परिचय:**
  - फनिटेक, "[फाइनेंशियल](#)" और "[टेक्नोलॉजी](#)" पदों का संयोजन है, जो ऐसे व्यवसायों को संदर्भित करता है जो **वित्तीय सेवाओं** एवं प्रक्रियाओं को **वर्द्धति** अथवा **स्वचालित करने के लिये प्रौद्योगिकी का उपयोग** करते हैं।
- **प्रकार:**
  - **डिजिटल भुगतान:** ये मोबाइल वॉलेट, ऑनलाइन भुगतान गेटवे और [समकक्षीय/पीयर-टू-पीयर \(P2P\) भुगतान](#) जैसे डिजिटल भुगतान समाधान प्रदान करते हैं। उदाहरण- फोनपे, पेटीएम आदि।
  - **वैकल्पिक ऋण:** इन्हें **मार्केटप्लेस लेंडिंग** अथवा **समकक्षीय उधार (P2P लेंडिंग)** भी कहा जाता है, ये लेन-देन ऑनलाइन होते हैं और उच्च-लाभ चाहने वाले नविशकों को पारंपरिक उधारदाताओं द्वारा अनदेखा किये गए देनदारों से जोड़ते हैं। इसके उदाहरणों में लेंडिंग क्लब, प्रॉस्पेर, पेपाल वर्कगि कैपिटल, गोफंडमी आदि शामिल हैं।
  - **बीमा:** ये स्वास्थ्य, जीवन और कार बीमा जैसे डिजिटल बीमा समाधान प्रदान करते हैं। उदाहरण- डिजिटि इश्योरेंस, पॉलिसीबाज़ार आदि।
  - **इन्वेस्टमेंटटेक:** ये स्टॉक ट्रेडिंग, म्यूचुअल फंड और [क्रपिटोकरेंसी](#) ट्रेडिंग जैसे डिजिटल नविश समाधान प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिये ज़ीरोधा, ग़्रो इत्यादि।
  - **इसके अन्य प्रकारों** में फसल ऋण जोखिम प्रबंधन (उदाहरण: सैटशोर), ऑनलाइन धोखाधड़ी का पता लगाना (उदाहरण: ट्यूटेलर), ऋण प्रबंधन (डैट नरिवाण) और बैंकिंग-एज़-ए-सर्विस प्लेटफॉर्म (उदाहरण: फडिपे) शामिल हैं।

## भारत में फनिटेक उद्योग की क्या स्थिति है?

- **फनिटेक इकोसिस्टम:** भारत फनिटेक के क्षेत्र में विश्व में अपना वर्चस्व बनाए हुए है और 155 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के संयुक्त मूल्य के साथ अमेरिका और ब्रिटेन के बाद तीसरे स्थान पर है।
  - **सूनीकॉरन** (सून टू बी यूनिकॉरन का संक्षेप) के संदर्भ में फनिटेक की हिस्सेदारी एक तर्क है।
  - वाणज्य और उद्योग मंत्रालय की पहल **स्टार्टअप इंडिया** के अनुसार, भारत के फनिटेक उद्योग का बाज़ार आकार वर्ष 2025 तक 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है।
- **अपनाने की उच्च दर:** [आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23](#) के अनुसार, भारत में फनिटेक कंपनियों को अपनाने की दर 87% देखी गई जबकि इसकी वैश्विक औसत दर 64% है।

- **डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना:** भारत में फनिटेक कंपनियों की डिजिटल भुगतान लेन-देन में 70% की हस्सिसेदारी है, जो वतित वर्ष 2019 की तुलना में वतित वर्ष 2022 में दो गुना वृद्धि को दर्शाती है।
- **वत्तीय समावेशन:** इससे 10 मलियन से अधिक लोगों और छोटे व्यवसायों को मोबाइल-आधारित सेवाओं तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बचत खातों, बीमा, नविश वकिलों एवं ऋण सुवधियों तक पहुँच प्राप्त हुई है।
- **ऋण प्रक्रिया का सुलभ होना:** पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म से ऋण सुलभ होने के साथ व्यक्तियों एवं छोटे व्यवसायों को पारंपरिक वत्तीय संस्थानों की आवश्यकता के बिना धन तक पहुँच प्राप्त हुई है।
- **लोक नविश में वृद्धि:** नविश प्लेटफॉर्म तथा रोबो-सलाहकार, स्टॉक एवं म्यूचुअल फंड के साथ अन्य वत्तीय साधनों में नविश को अधिक सुलभ बना रहे हैं।

## फनिटेक के विकास को बढ़ावा देने से संबंधित सरकारी पहल:

- **डिजिटल आइडेंटिटी इंफ्रास्ट्रक्चर (JAM ट्रिनिटी):**
  - **जन धन योजना (PMJDY):** विश्व के इस सबसे बड़े वत्तीय समावेशन कार्यक्रम द्वारा 450 मलियन से अधिक लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे फनिटेक कंपनियों के लिये इन खातों के ज़रिये स्पष्ट तौर पर नए वत्तीय उत्पाद एवं सेवाएँ जैसे कऱि प्रेषण, ऋण, बीमा तथा पेंशन प्रदान करने हेतु व्यापक आधार मिला है।
  - **आधार:** **वशिव बैंक** के एक अध्ययन के अनुसार आधार के माध्यम से भारत में 570 मलियन से अधिक वयस्कों (जो पहले बैंकिंग सेवाओं से वंचित थे) के लिये बैंक खाता खोलने में सहायता मिली है।
    - **आधार सकषम भुगतान प्रणाली (AePS)** द्वारा आधार कार्ड धारकों को अपने आधार नंबर और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (फगिरप्रति या आईरसि स्कैन) का उपयोग करके वत्तीय लेन-देन में सहायता मिली है।
- **एकीकृत भुगतान इंटरफेस: UPI** लेनदेन की मात्रा में प्रतविरष 49% की वृद्धि देखी गई है।
  - अधिक से अधिक बैंक UPI को अपना रहे हैं और इस क्रम में इसमें शामिल बैंकों की संख्या अप्रैल 2023 के 414 से बढ़कर अप्रैल 2024 में 581 हो गई। यह UPI लेन-देन में समग्र वृद्धि का परिचायक है।
- **वन्ियामक सहायता एवं नवाचार:**
  - वर्ष 2017 में RBI ने पीयर-टू-पीयर (P2P) ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म को **गैर-बैंकिंग वत्तीय कंपनियों (NBFC)** के रूप में मान्यता दी है जिससे व्यक्तियों तथा छोटे व्यवसायों के लिये ऋण पहुँच का वसितार हुआ है।
- **नयामक सैंडबॉक्स (RS) और फनिटेक रपिऑज़िटरी:**
  - RS एक ऐसा बुनयिदी ढाँचा है जो फनिटेक भागीदारों को अपने उत्पादों या समाधानों को बड़े पैमाने पर शुरू करने के क्रम में आवश्यक वन्ियामक अनुमोदन प्राप्त करने से पहले परीक्षण करने में मदद करता है, जिससे स्टार्ट-अप के समय एवं लागत में बचत होती है। RBI द्वारा **वर्ष 2017 में एक वन्ियामक सैंडबॉक्स** की शुरुआत की गई।
  - इसके अतरिकित वर्ष 2021 में शुरू कथिा गया फनिटेक रपिऑज़िटरी, फनिटेक कंपनियों के लिये एक केंद्रीकृत सूचना केंद्र के रूप में कार्य करने एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने के साथ वन्ियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करता है।
- **सव-नयामक संगठन (SRO) की रूपरेखा:**
  - वर्ष 2023 में, RBI ने उद्योग-नेतृत्व वाले सव-नयिमन की आवश्यकता के साथ उत्तरदायित्वपूर्ण विकास को प्रोत्साहित करने के लिये फनिटेक क्षेत्र में **सव-नयामक संगठनों (SRO)** के लिये एक रूपरेखा नरिमति की है।
  - ये **SRO उद्योग में संरक्षक** की तरह कार्य करते हैं, **आचार संहिता, शकियत नविवरण तंत्र** एवं **उपभोक्ता संरक्षण मानकों** की स्थापना के साथ-साथ **उनका कार्यान्वयन** भी करते हैं।

//



## भारत में फनिटेक सेक्टर के संभावित विकास क्षेत्र क्या हैं?

- **SME ऋण: लघु एवं मध्यम उद्यमों (SME)** को पारंपरिक क्रेडिट चैनलों तक पहुँचने में प्रारय: चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
  - वैकल्पिक डेटा स्रोतों एवं AI-संचालित क्रेडिट स्कोरिंग का लाभ उठाने वाले फनिटेक समाधान ऋण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर सकते हैं और साथ ही SME हेतु ऋण को अधिक सुलभ बना सकते हैं।
- **ब्लॉकचेन**-आधारित फनिटेक समाधान भुगतान को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, और साथ ही पारदर्शिता में सुधार कर सकते हैं, तथा आपूर्ति शृंखला में व्यवसायों के लिये कार्यशील पूंजी प्रबंधन को बढ़ा सकते हैं।
  - **आपूर्ति शृंखला वित्तपोषण:** पारंपरिक वित्तपोषण की आपूर्ति शृंखला पद्धतियों प्रारय: बोझिल होती हैं और उनमें पारदर्शिता का अभाव होता है।
- **एग्रीटेक:** फसल ऋण जोखिम प्रबंधन, किसानों के लिये सूक्ष्म बीमा और साथ ही कृषि उत्पादों के लिये डिजिटल बाजार के समाधान, ग्रामीण समुदायों को आवश्यक सहायता प्रदान कर सकते हैं तथा उन्हें सशक्त कर सकते हैं।
- **वित्तीय परदृश्य एवं दीर्घकालिक स्थिरता:** यद्यपि यह अस्थायी रूप से सतर्क निवेश माहौल को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन फनिटेक क्षेत्र में "उपयोगकर्ता हानि" को कम करने के लिये RBI का दृष्टिकोण अंततः एक उत्कृष्ट विकास को संबोधित करता है।
  - **सपष्ट एवं सुपरभाषित वित्तीयन उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ाएंगे तथा पारस्थितिकी तंत्र में विश्वास भी उत्पन्न करने के साथ-साथ दीर्घकालिक निवेशकों को भी आकर्षित करेंगे तथा सतत् विकास को बढ़ावा देंगे।**

## फनिटेक से संबंधित संचालन समितिकी सफारिशें

- **परिचय:**
  - फनिटेक से संबंधित मुद्दों पर **सुभाष चंद्र गर्ग की अध्यक्षता वाली संचालन समिति ने वर्ष 2019** में वित्त मंत्री को अपनी रिपोर्ट सौंपी।
  - समिति का गठन फनिटेक से संबंधित नियमों को अधिक लचीला बनाने तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था।
- **फनिटेक के संबंध में मुख्य टपिपणियाँ:**
  - बैंकिंग संस्थाओं को आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली जैसे महत्त्वपूर्ण भुगतान बुनियादी ढाँचे तक पहुँच का लाभ प्राप्त होता है। यह **गैर-बैंकिंग फनिटेक कंपनियों के लिये समान अवसर प्रदान करने में बाधा** उत्पन्न करता है।
  - नवीन उत्पादों के परीक्षण के लिये नियंत्रित वातावरण, अर्थात् **वित्तीयमक सैंडबॉक्स का अभाव**, प्रयोग को प्रतबंधित करता है तथा विकास को धीमा करता है।
  - फनिटेक से नए **डेटा गोपनीयता एवं सुरक्षा जोखिम उत्पन्न** होते हैं। वर्तमान नियमों के साथ **डेटा सुरक्षा अधिनियम** में सुरक्षा एवं विकासोन्मुखी वातावरण को बढ़ावा देने हेतु समायोजन की आवश्यकता हो सकती है।

- **फनिटेक सेवाओं का वसितार:** साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी नरितरण के साथ-साथ मनी लॉन्डरिंग रोकथाम को बढ़ावा देने के लरि फनिटेक के उपयोग को प्रोत्साहित करना । वरुचुअल बैंकिंग एवं वरितीय साधनों के डीमटेरयिलाइजेशन (भौतिक प्रमाणपत्रों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित करना) का अनवेषण करना शामिल है ।

■ अनुशंसाएँ:

○ पदोननतके लरि नीतगित काररवाइयाँ:

- सरकारी तथा सार्वजनिक कषेत्र के संस्थानों को **बैक-एंड ऑटोमेशन के लरि AI का लाभ** उठाना चाहरि ।
- व्यापार वरित में ब्लॉकचेन समाधान लागू करने के लरि **MSME** के साथ सहयोग करना ।

○ वरितीय समावेशन:

- आसान ऋण पहुँच को सकषम करने हेतु **AI/ML** आधारित क्रेडिट स्कोरिंग का उपयोग करके कसिनों के लरि एक **क्रेडिट रजसि्टरी** वकिसति करना ।
- कृषाफसल बीमा योजनाओं में दावों और प्रीमरिम भुगतान के प्रबंधन के लरि फनिटेक का उपयोग करना ।
- लघु बचत उत्पादों, सूकषम पेंशन योजनाओं और सरकारी पेंशन के लरि एक साझा डजिटिल प्लेटफॉर्म बनाएँ, जसिसे डजिटिल सदस्यता की सुवधा मलि सके ।

○ सहयोग और समनवय:

- प्रत्येक वरितीय कषेत्र नरियामक के लरि उद्योग वशिषज्जों के साथ फनिटेक पर एक **सलाहकार परिषद** का गठन करना ।
- नरियामक नकरियों के बीच बेहतर समनवय के लरि एक **अंतर-नरियामक तकनीकी समूह** की स्थापना करना ।
- **फनिटेक-सकषम प्रौद्योगकियों** के संभावित अनुप्रयोगों का पता लगाने के लरि एक अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन करि जाएगा ।
- **फनिटेक जोखमिों और लाभों पर ज्ञान साझा करने के लरि अन्य देशों** के साथ सहयोग करना ।

- **डेटा संरकषण:** वरितीय कषेत्र से संबंधित डेटा संरकषण चुनौतियों से नपिटने के लरि वरित मंत्रालय के अंतरगत एक **टास्क फोर्स** की स्थापना की जाएगी ।

**दृषट मैन्स प्रश्न:**

भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में फनिटेक की बढ़ती प्रमुखता पर चर्चा कीजरि, इस कषेत्र के सामने आने वाले प्रमुख चालकों और नरियामक चुनौतियों पर प्रकाश डालरि ।

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वरष के प्रश्न (PYQ)**

**????????????**

प्रश्न. “ब्लॉकचेन तकनीक” के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजरि: (2020)

1. यह एक सार्वजनिक खाता है जसिका हर कोई नरिीकषण कर सकता है, परंतु जसि कोई भी एक उपभोक्ता नरितरति नहीं करता ।
2. ब्लॉकचेन की संरचना और अभकिलूप ऐसा है क इसका समूचा डेटा केवल कुरपिटोकर्सि के वषिय में है ।
3. ब्लॉकचेन के आधारभूत वैशषिट्य पर आधारित अनुप्रयोगों को बना कसिी व्यक्तीकी अनुमती के वकिसति करि जा सकता है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखित पर वचिर कीजरि: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. कषेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँवों को अपनाना

उपर्युक्त में से कसिे भारत में “वरितीय समावेशन” प्राप्त करने के लरि उठाए गए कदम माना जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/fintechs-leading-india-s-start-up-ecosystem>

